RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 191
दि. 12.11.2025, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

उनको पहचानिए जो योजनाओं का सबसे पहले लाभ लेते हैं और वंदे मातरम का विरोध करते हैं', बोले सीएम योगी

बाराबंकी (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में जनसभा को संबोधित किया और कहा कि ऐसे लोगों को पहचानिए जो सरकारी योजनाओं का सबसे पहले लाभ लेते हैं और वंदे मातरम् का विरोध करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जो वंदे मातरम का विरोध करते है उनके चेहरे पहचानिए। ये वही लोग है जो सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पहली कतार में खड़े होते हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस तो चाहती ही नहीं थी कि लौह पुरुष सरदार पटेल का सम्मान हो। मुख्यमंत्री बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती समारोह के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंच पर आते ही उन्होंने सियावर रामचंद्र की जय के साथ संबोधन शुरू किया। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि आपसी मनमुटाव हो सकता है। मगर राष्ट्रीय एकता की बात हो तो सब एक हों। मतभेद भूलें। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सुबह करीब 10:30 बजे फतेहपुर स्थित अस्थायी हेलीपैड पर उतरा जहां जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने

मुख्यमंत्री ने आगमन के तुरंत बाद हेलीपैड के समीप स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद वे कार्यक्रम स्थल की ओर रवाना हुए, जहां सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित विशाल समारोह में मंच से संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 1734 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें सड़क, शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र और स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। मंच पर पहुंचने के बाद भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री को सुनने के लिए सुबह से ही भारी भीड़ जुटी हुई थी। कार्यक्रम स्थल की चार किलोमीटर की परिधि को पुलिस प्रशासन के सुरक्षा घेरे में ले लिया गया था।

इस मौके पर राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा, क्षेत्रीय प्रभारी संजय राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल, कुर्सी विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा, विधायक दिनेश रावत, पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान के थिम्पू में चांगलीमेथांग उत्सव मैदान में जनसभा को संबोधित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान की राजधानी थिम्पू में चांगलीमेथांग उत्सव मैदान में जनसभा को संबोधित किया, उन्होंने कहा सदियों से भारत और भूटान ने एक बहुत गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक बंधन साझा किया है और इसलिए इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेना भारत की और मेरी प्रतिबद्धता थी, लेकिन आज मैं बहुत भारी मन से यहां आया हूं।

कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को व्यथित कर दिया है, हमारी एजेंसियां इस षडयंत्र की तह तक पहुंचेंगी, इसके पीछे जिनका भी हाथ होगा उनको बख्शा नहीं जाएगा, सभी जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाई जाएगी: प्रधानमंत्री

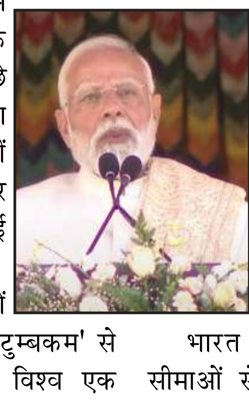

भारत अपने पुरखों के आदर्श 'वसुधैव कुटुम्बकम' से प्रेरणा लेता है, पूरा विश्व एक परिवार है, हम सभी की खुशी पर जोर देते हैं: प्रधानमंत्री

भूटान के महामहिम की ओर से "सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता" का प्रस्तावित विचार संपूर्ण विश्व में विकास को परिभाषित करने का महत्वपूर्ण मानदंड बन गया है: प्रधानमंत्री

भारत और भूटान केवल सीमाओं से ही नहीं जुड़े हैं, वे संस्कृतियों से भी जुड़े हैं, हमारा रिश्ता मूल्यों, भावनाओं, शांति और प्रगति का है: प्रधानमंत्री

आज, भूटान दुनिया का पहला कार्बन-नेगेटिव देश बन गया है, यह एक असाधारण उपलब्धि है: प्रधानमंत्री

भूटान प्रति व्यक्ति नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है, वह अपनी 100 प्रतिशत बिजली नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करता है, इस क्षमता का विस्तार करते हुए आज एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने भूटान नरेश से मुलाकात की

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान की राजधानी थिम्पू में आज भूटान के महामहिम नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को ज्यादा प्रगाढ़ एवं सुदृढ़ करने पर चर्चा की। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। महामहिम नरेश ने दिल्ली विस्फोट में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच मैत्री एवं सहयोग के घनिष्ठ संबंधों को आकार देने में उत्तरोत्तर ड्रुक ग्यालपो (राजाओं) द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शक दृष्टिकोण की सराहना की। महामहिम नरेश ने भूटान के सामाजिक-आर्थिक विकास में भारत सरकार के अमूल्य सहयोग की सराहना की।

दोनों नेताओं ने भारत से लाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र पिपराह अवशेषों के सामने प्रार्थना की, जो वर्तमान में ताशिछोद्जोंग के ग्रैंड कुएनरे हॉल में स्थापित हैं। थिम्पू में

पवित्र पिपराह अवशेषों की प्रदर्शनी, महामहिम चतुर्थ नरेश की 70वीं जयंती और वैश्विक शांति एवं खुशहाली के लिए भूटान द्वारा आयोजित वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के अवसर पर आयोजित की जा रही है।

दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से 1020 मेगावाट की पुनात्सांगचू-क्क जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन किया, जो भारत एवं भूटान के बीच जीवंत और बढ़ती पारस्परिक लाभकारी ऊर्जा साझेदारी में एक मील का पत्थर है, जिससे दोनों देशों के आम नागरिकों के जीवन में महत्वपूर्ण लाभ मिला है।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को और ज्यादा मजबूत करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्रों में तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का भी आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर, भारत सरकार ने ऊर्जा परियोजनाओं का वित्तपोषण करने के लिए भूटान को 4,000 करोड़ रुपये की रियायती ऋण सुविधा प्रदान करने की घोषणा की। एमओयू एवं घोषणाओं की सूची यहां देखी जा सकती है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य में नोटरी के रूप में चयनित 1500 से अधिक अधिवक्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे : नोटरी पोर्टल भी करेंगे लॉन्च

गांधीनगर स्थित गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में बुधवार सुबह आयोजित होने वाले कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री और विधि राज्य मंत्री होंगे सहभागी

गांधीनगर, 11 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य सरकार के विधि विभाग और गुजरात बार काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार, 12 नवंबर को गांधीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में नोटरी के रूप में चयनित 1500 से अधिक अधिवक्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री इस अवसर पर नोटरी पोर्टल भी लॉन्च कर राज्य में ई-नोटरी सिस्टम के चरणबद्ध तरीके से विकास की शुरूआत करेंगे।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद डीएमआरसी का बड़ा अपडेट, इस डेट तक बंद रहेगी लाल किला मेट्रो स्टेशन

(जीएनएस)।

दिल्ली में सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट ने पूरे शहर को हिला दिया है। इस धमाके के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने सुरक्षा कारणों से लाल किला मेट्रो स्टेशन को 12 नवंबर (मंगलवार) को भी बंद रखने का फैसला लिया है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। ड्टफ्ठ ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस अपडेट का ध्यान रखें और अनावश्यक असुविधा से बचें।

दिल्ली मेट्रो ने एक बयान में कहा कि लाल किला मेट्रो स्टेशन पर 12 नवंबर को प्रवेश और निकास दोनों बंद रहेंगे। हालांकि, इस रूट पर आने वाली बाकी सभी मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी। यानी जामा मस्जिद, चांदनी चौक, और दिल्ली गेट जैसे नजदीकी स्टेशन खुले रहेंगे। ड्टफ्ठ ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्टेशन को तभी खोला जाएगा जब सभी सुरक्षा एजेंसियां इसे सुरक्षित घोषित कर देंगी।

धमाके के बाद बढ़ी सुरक्षा

सोमवार शाम हुए विस्फोट ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर ला दिया। यह धमाका लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के बाहर हुआ था। इस हादसे में कई लोग घायल हुए, जबकि कुछ की मौत भी हो

गई। घटना के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस, एनआईए (NIA) और एनएसजी (NSG) की टीमें मौके पर पहुंचीं। जांच एजेंसियां घटना स्थल से मिले साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच कर रही हैं। पूरे इलाके को सील कर दिया गया है ताकि कोई संदिग्ध गतिविधि न हो सके। मेट्रो स्टेशन के आसपास ड्रोन और सीसीटीवी के जरिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। दिल्ली पुलिस की विशेष सेल इस धमाके के पीछे के नेटवर्क की जांच कर रही है।

यात्रियों के लिए जरूरी सलाह

ड्टफ्ठ ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे मंगलवार को लाल किला स्टेशन का उपयोग न करें। जो लोग लाल किले, दरियागंज या पुरानी दिल्ली की ओर यात्रा कर रहे हैं, वे जामा मस्जिद या चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन से यात्रा कर सकते हैं। यात्रियों को ड्टफ्ठ की आधिकारिक वेबसाइट, ट्विटर और फेसबुक अकाउंट पर नजर रखने को कहा गया है, जहां समय-समय पर अपडेट दिए जा रहे हैं।

दिल्ली में बढ़ी सतर्कता, जांच तेज

इस धमाके के बाद राजधानी में उच्च स्तरीय सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली पुलिस ने यूएपीए (UAPA) के तहत केस दर्ज किया है। सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इस विस्फोट का संबंध हाल ही में फरीदाबाद में पकड़े गए आतंकी मॉड्यूल से है। पुलिस ने कई संदिग्धों से पूछताछ शुरू कर दी है और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी है।

ट्रैफिक को लेकर जारी की गई चेतावनी

लाल किला और आस-पास के इलाकों में भारी ट्रैफिक जाम की संभावना को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने भी अलर्ट जारी किया है। इस क्षेत्र में अतिरिक्त बैरिकेड्स लगाए गए हैं और वाहनों की जांच सख्ती से की जा रही है। लाल किला, दरियागंज, चांदनी चौक और डीरीगंज रोड की ओर जाने वाले लोगों को सलाह दी गई है कि वे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलें।

दिल्लीवालों को एहतियात बरतने की सलाह

सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को दें। नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी लेने की अपील की गई है। राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सीसीआई ने लेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड की 11 प्रतिशत से 20 प्रतिशत शेयरधारिता के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने लेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में 11% से 20% शेयरधारिता के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (पूर्व में अदानी विल्मर लिमिटेड) (टारगेट) एफएमसीजी व्यवसाय में संलग्न है, जिसमें मुख्य रूप से खाद्य तेल, खाद्य, एफएमसीजी और उद्योग के आवश्यक उत्पाद (साबुन, क्लीनर आदि सहित) शामिल हैं।

लेंस प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता) विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और विल्मर समूह से संबंधित है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 18 नवंबर 2025 को प्रथम जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) पुरस्कार प्रदान करेंगी

जल शक्ति अभियान: कैच द रेन के तहत जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) के विजेताओं को सम्मान

(जीएनएस)।

जल शक्ति मंत्रालय ने जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) पहल के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों के लिए प्रथम पुरस्कारों की घोषणा की है। यह जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए : वर्षा जल संचयन) के अंतर्गत प्रमुख समुदाय-संचालित कार्यक्रम है।

राष्ट्रपति, छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2025 के साथ वर्ष 2025 के लिए 18 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में यह पुरस्कार प्रदान करेंगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल शक्ति के लिए जन शक्ति के दृष्टिकोण से प्रेरित, जल संचय जन भागीदारी पहल 6 सितंबर 2024 को सूरत, गुजरात में आरंभ की गई थी।

समग्र सरकार और समग्र समाज के दृष्टिकोण से प्रेरित यह पहल जमीनी स्तर पर प्रबंधन सहभागिता और सतत जल प्रशासन को बढ़ावा देती है। कम्युनिटी (समुदाय), कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी और कॉस्ट (कम लागत) के 3सी मंत्र से प्रेरित, यह एक समावेशी मॉडल अपनाकर जल की कमी को दीर्घकालिक जल सुरक्षा और जल प्रत्यास्थता से दूर करने को बढ़ावा देता है।

पहल के तहत, राज्यों को पांच क्षेत्रों में विभाजित कर कम से कम दस हजार कृत्रिम पुनर्भरण और जल भंडारण संरचनाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के ज़िलों के लिए यह लक्ष्य तीन हजार है, जबकि देश भर के नगर निगमों के लिए यह दस हजार का लक्ष्य है। इन संरचनाओं में भवन छतों पर वर्षा जल संचयन के साथ ही झीलों, तालाबों और बावड़ियों का पुनरुद्धार करना शामिल है।

नीतीश या तेजस्वी ? कई एग्जिट पोल्स बिहार में किसकी बनवा रहे हैं सरकार, हो गया सब फाइनल!

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के एग्जिट पोल में इस बार एनडीए को स्पष्ट बहुमत के संकेत मिल रहे हैं। 10 एजेंसियों के पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक, नीतीश कुमार और बीजेपी की जोड़ी एक बार फिर सत्ता में वापसी करती दिख रही है। आंकड़ों के अनुसार, एनडीए को 154 सीटें, जबकि महागठबंधन को सिर्फ 84 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, अन्य दलों को 5 सीटें और प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को 3 से 5 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

दिलचस्प बात यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए ने 125 सीटें जीती थीं, जबकि महागठबंधन के खाते में 110 सीटें गई थीं। इस बार के रुझान बताते हैं कि एनडीए को करीब 29 सीटों का फायदा और महागठबंधन को 28 सीटों का नुकसान हो सकता है। अब सबकी निगाहें 14 नवंबर पर टिकी हैं, जब चुनाव आयोग

आधिकारिक नतीजे जारी करेगा। अगर एग्जिट पोल सही साबित हुए, तो नीतीश कुमार की वापसी तय मानी जा रही है -वहीं महागठबंधन के लिए यह चुनाव झटका साबित हो सकता है।

राज्य की कुल 243 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान हुआ। पहले चरण में 121 सीटों पर 65 फीसदी वोटिंग, जबकि दूसरे और आखिरी चरण में रिकॉर्ड 67 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। इससे साफ है कि इस बार मतदाताओं का उत्साह चरम पर था और बंपर वोटिंग ने मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया।

दैनिक भास्कर ने एग्जिट पोल

◈ NDA (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन): 145-160 विधानसभा सीट

भारतीय जनता पार्टी (BJP): 72-82 विधानसभा सीट

जनता दल (यूनाइटेड) (JDU): 59-68 विधानसभा सीट

लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) [LJP(RV)]: 4-5 विधानसभा सीट

हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (HAM): 4-5 विधानसभा सीट

चर्चा पत्र 1.0 का विमोचन: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संकलन में कारखानों का प्रतिस्थापन

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का आधार संशोधन कर रहा है । इस प्रक्रिया में, कार्यप्रणाली पर पुनर्विचार किया जा रहा है, नए डेटा स्रोतों की खोज और विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उपयोगकर्ताओं और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद परिवर्तनों को मूर्त रूप दिया जा रहा है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की वर्तमान श्रृंखला में, सूचकांक का संकलन, विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों को दशार्ने के लिए आधार वर्ष में चयनित कारखानों के निश्चित पैनल से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। जैसे-जैसे औद्योगिक परिदृश्य विकसित होता है, मौजूदा नमूने में शामिल कुछ कारखाने बंद हो सकते हैं।

पोरबंदर-राजकोट के बीच चलेंगी दो नई पैसेन्जर ट्रेनें

(जीएनएस)।

डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री, भारत सरकार के प्रयासों से रेलवे बोर्ड ने पोरबंदर-राजकोट के बीच 2 नई ट्रेनों को चलाने हेतु अनुमति प्रदान कर दी है। ये दोनों ट्रेनें अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इन ट्रेनों का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:

1. राजकोट-पोरबंदर शुरूआती स्पेशल ट्रेन (क्ल्लं४४१' रस्त्रीं' ळ४ल्ल)

ट्रेन नंबर 09561 राजकोट-पोरबंदर शुरूआती स्पेशल (क्ल्लं४४१' रस्त्रीं'), राजकोट स्टेशन से सुबह 10.30 बजे प्रस्थान करेगी एवं 14.40 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन 14 नवम्बर, 2025 (शुक्रवार) को राजकोट स्टेशन से सुबह 10.30 बजे प्रस्थान करेगी।

2. राजकोट-पोरबंदर-राजकोट दैनिक पैसेन्जर ट्रेन

ट्रेन नंबर 59561 राजकोट-पोरबंदर पैसेन्जर दैनिक राजकोट स्टेशन से सुबह 8.35 बजे प्रस्थान करेगी एवं 13.15 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59562 पोरबंदर-राजकोट पैसेन्जर दैनिक पोरबंदर से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी एवं 18.55 बजे राजकोट स्टेशन पहुंचेगी। ये दोनों ट्रेनें 15.11.2025 से प्रतिदिन नियमित रूप से अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी।

3. पोरबंदर-राजकोट-पोरबंदर पैसेन्जर ट्रेन (सप्ताह में 5 दिन)

ट्रेन नंबर 59564 पोरबंदर-राजकोट पैसेन्जर (सप्ताह में 5 दिन, गुरूवार और रविवार को छोड़कर) पोरबंदर स्टेशन से सुबह 7.50 बजे प्रस्थान करेगी एवं 12.35 बजे राजकोट स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन 15.11.2025 से सप्ताह में 5 दिन (गुरूवार और रविवार को छोड़कर) अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी।

इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59563 राजकोट-पोरबंदर पैसेन्जर (सप्ताह में 5 दिन, बुधवार और शनिवार को छोड़कर) राजकोट स्टेशन से दोपहर 14.50 बजे प्रस्थान करेगी एवं 20.30 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन 16.11.2025 से सप्ताह में 5 दिन (बुधवार और शनिवार को छोड़कर) अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी।

उपरोक्त सभी ट्रेनें अपनी यात्रा के दौरान भक्तिनगर, रीबडा, गोंडल, वीरपुर, नवागढ़, जेतलसर, धोराजी, उपलेटा, पानेली मोटी, जाम जोधपुर, बालवा, काटकोला, वांसजालिया और राणावाव स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रूकेंगी।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त ट्रेनों को चलाने हेतु ट्रेन नंबर 19572 पोरबंदर-राजकोट एक्सप्रेस के समय में परिवर्तन किया जाएगा। यह ट्रेन पोरबंदर से अपने वर्तमान निर्धारित समय 14.35 बजे की बजाय 16.00 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, राजकोट स्टेशन पर 18.55 बजे की बजाय 21.20 बजे पहुंचेगी।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं पालिताना/भावनगर टर्मिनस के बीच चलाएगी दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा जैन पारणा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं पालिताना/भावनगर टर्मिनस स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 09229/09230 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना/भावनगर टर्मिनस स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09229 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना स्पेशल गुरुवार, 20 नवम्बर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 14:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:00 बजे पालिताना पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09230 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल बुधवार, 19 नवम्बर, 2025 को भावनगर टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09230 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल का भावनगर परा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09231/09232 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना/भावनगर टर्मिनस स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09231 बांद्रा टर्मिनस - भावनगर टर्मिनस स्पेशल शनिवार, 22 नवम्बर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 12:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09232 पलिताना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शुक्रवार, 21 नवम्बर, 2025 को पलिताना से 20:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09231 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस स्पेशल का भावनगर परा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09229, 09230, 09231 एवं 09232 की बुकिंग 13 नवम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गांधीनगर-जयपुर स्टेशन पुनर्विकास कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

उत्तर पश्चिम रेलवे के गांधीनगर-जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास और बड़े स्तर पर उन्नयन कार्य के मद्देनजर 9 नवंबर से 13 दिसंबर, 2025 तक 35 दिनों का ब्लॉक लिया गया है, जिसके कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट/आंशिक रूप से निरस्त होने वाली ट्रेनें:

1. 8 दिसंबर, 2025 को ओखा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20951 ओखा-जयपुर एक्सप्रेस अजमेर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन अजमेर और जयपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार, 9 दिसंबर, 2025 को जयपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20952 जयपुर-ओखा एक्सप्रेस अजमेर स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन जयपुर और अजमेर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें:

1. 13 दिसंबर, 2025 तक दिल्ली सराय रोहिल्ला से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12215 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

2. 13 नवंबर, 2025 से 12 दिसंबर, 2025 तक पोरबंदर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन रींगस, नीम का थाना और नारनौल स्टेशनों पर रुकेगी।

3. 25 नवंबर, 2025 और 02 दिसंबर, 2025 को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19416 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

4. 09 दिसंबर, 2025 तक पोरबंदर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन रींगस, नीम का थाना और नारनौल स्टेशनों पर रुकेगी।

5. 24 नवंबर, 2025 से 8 दिसंबर, 2025 तक दिल्ली सराय रोहिल्ला से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20938 दिल्ली सराय रोहिल्ला-पोरबंदर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

6. 26 नवंबर, 2025 और 3 दिसंबर, 2025 तक सुल्तानपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20940 सुल्तानपुर-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

7. 29 नवंबर, 2025 और 06 दिसंबर, 2025 को वाराणसी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20964 वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

8. 25 नवंबर, 2025 और 02 दिसंबर, 2025 को लखनऊ से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19402 लखनऊ-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया भरतपुर-कोटा-आणंद-साबरमती स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, शामगढ़, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोधरा और आणंद स्टेशनों पर रुकेगी।

9. 25 नवंबर, 2025 को अयोध्या कैंट से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया भरतपुर-कोटा-आणंद-अहमदाबाद-विरमगाम स्टेशनों के रास् ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, शामगढ़, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोधरा और आणंद स्टेशनों पर रुकेगी।

सीएक्यूएम ने पूरे एनसीआर में मौजूदा जीआरएपी के चरण-तृतीय के अंतर्गत 9-सूत्रीय कार्य योजना तत्काल प्रभाव से लागू की

शांत हवाओं, स्थिर वातावरण और प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण एक यूआई में तेजी से गिरावट

(जीएनएस)।

दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक यूआई) सुबह से बढ़ रहा है और आज सुबह 9 बजे 425 पर पहुंच गया। दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर, एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक यूएम) की ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) उप-समिति ने क्षेत्र में वायु गुणवत्ता परिदृश्य की समीक्षा की।

शांत हवाओं, स्थिर वातावरण और प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता के प्रचलित रुझान को ध्यान में रखते हुए, और क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के प्रयास में, उप-समिति ने पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से मौजूदा जीआरएपी - 'गंभीर' वायु गुणवत्ता (दिल्ली एक यूआई 401-450 के बीच) के चरण- क्कक्क के तहत सभी कार्रवाइयों को लागू करने का फैसला किया है।

एनसीआर और डीपीसीसी के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (पीसीबी) सहित जीआरएपी के तहत उपायों को लागू करने के लिए जिम्मेदार विभिन्न एजेंसियों को भी इस अवधि के दौरान जीआरएपी के चरण क और क्क के तहत की गई कार्रवाइयों के अलावा, मौजूदा जीआरएपी के चरण क्कक्क के तहत की गई कार्रवाइयों को भी सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। मौजूदा जीआरएपी के चरण क्कक्क के अनुसार एक 9-सूत्रीय कार्य योजना पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से लागू है। इसमें एनसीआर और डीपीसीसी के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों सहित विभिन्न एजेंसियों द्वारा कार्यान्वित/सुनिश्चित किए जाने वाले कदम शामिल हैं, जो नीचे दिए गए हैं:

निर्माण एवं तोड़-फोड़ गतिविधियाँ:

(i) संपूर्ण एनसीआर में धूल उत्पन्न करने वाली/वायु प्रदूषण फैलाने वाली सीएंडडी गतिविधियों की निम्नलिखित श्रेणियों पर सख्त प्रतिबंध लागू करें

बोरिंग और ड्रिलिंग कार्यों सहित खुदाई और भराई के लिए मिट्टी खोदने का काम।

ढेर लगाने का कार्य।

तोड़-फोड़ संबंधी सभी कार्य।

सीवर लाइन, पानी की लाइन, जल निकासी और बिजली के केबल आदि बिछाने के लिए खुली खाई प्रणाली।

ईंट/चिनाई कार्य।

आरएमसी बैचिंग प्लांट का संचालन।

बड़े वेल्डिंग और गैस-कटिंग कार्य। हालाँकि, एमईपी कार्यों

(मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग) के लिए छोटे वेल्डिंग कार्यों की अनुमति होगी।

पेंटिंग, पॉलिशिंग और वार्निशिंग कार्य आदि।

सीमेंट, प्लास्टर/अन्य कोटिंग्स, मामूली आंतरिक मरम्मत/रखरखाव को छोड़कर।

टाइलों, पत्थरों और अन्य फर्श सामग्री की कटाई/घिसाई और लगाना, छोटी-मोटी आंतरिक मरम्मत/रखरखाव को छोड़कर।

सड़क निर्माण गतिविधियाँ और बड़ी मरम्मत।

परियोजना स्थलों के भीतर/बाहर कहीं भी सीमेंट, फ्लाई ऐश, ईंटें, रेत, मुरम, कंकड़, छोटे पत्थर आदि जैसी धूल पैदा करने वाली सामग्रियों का स्थानांतरण, लोडिंग/अनलोडिंग।

कच्ची सड़कों पर निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही।

तोड़-फोड़ वाले कचरे का कोई भी परिवहन।

(ii) उपरोक्त 1(i) के अंतर्गत सूचीबद्ध गतिविधियों के अलावा, सभी निर्माण संबंधी गतिविधियां, जो अपेक्षाकृत कम प्रदूषणकारी/कम धूल उत्पन्न करने वाली हैं, को एनसीआर में जारी रखने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि सीएंडडी कचरा प्रबंधन नियमों, धूल रोकथाम/नियंत्रण मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए, जिसमें समय-समय पर जारी आयोग के निर्देशों का पालन भी शामिल हो।

(iii) सभी सी एंड डी संबंधित गतिविधियां, जिनमें उपरोक्त 1(i) के अंतर्गत गतिविधियां भी शामिल हैं, केवल निम्नलिखित श्रेणियों की परियोजनाओं के लिए ही अनुमति दी जाती रहेंगी, हालांकि सी एंड डी कचरा प्रबंधन नियमों, धूल रोकथाम/नियंत्रण मानदंडों के सख्ती से पालन के अधीन, जिसमें समय-समय पर जारी आयोग के निर्देशों का पालन भी शामिल है।

जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान (एनआईएचई) 13 नवंबर से उत्तराखंड के अल्मोड़ा में तीन दिवसीय हिमालयन कॉन्क्लेव का आयोजन करेगा

उद्देश्य - भारत के 'विकसित भारत 2047' विजन के अनुरूप 2047 तक भारतीय हिमालयी क्षेत्र के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण विकसित करना

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान, जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान (एनआईएचई), 13 से 15 नवंबर, 2025 तक अपने मुख्यालय कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा, उत्तराखंड में तीन दिवसीय हिमालयन कॉन्क्लेव - 'भारतीय हिमालयी क्षेत्र-2047: सतत सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण' का आयोजन कर रहा है। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य भारत के 'विकसित भारत 2047' विजन के अनुरूप 2047 तक भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण विकसित करना है, जिसका लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को एक विकसित और टिकाऊ अर्थव्यवस्था में बदलना है।

हिमालयन कॉन्क्लेव में हिमालयी क्षेत्र और उसके बाहर के प्रमुख वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति-निमार्ता, प्रशासक, गैर-सरकारी संगठनों और समुदायों के प्रतिनिधि पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, सतत आजीविका और क्षेत्रीय सहयोग जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए एकत्रित होंगे। 11 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करने वाला भारतीय हिमालयी क्षेत्र अपनी समृद्ध जैव विविधता, सांस्कृतिक विरासत और पारिस्थितिक महत्व के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है। हालाँकि, जलवायु परिवर्तन, तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों, असंतुलित भूमि-उपयोग प्रथाओं और ग्लेशियरों के पीछे हटने, अचानक बाढ़ और जल संसाधनों के ह्रास सहित बढ़ते प्राकृतिक खतरों के कारण इस क्षेत्र को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य इन ज्वलंत मुद्दों

के समाधान हेतु कार्य-रणनीति तैयार करना और क्षेत्र में सतत एवं समावेशी विकास के लिए एक रोडमैप तैयार करना है।

तीन दिनों के दौरान विचार-विमर्श छह प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित होगा, जिनमें बदलती जलवायु के तहत हिमालयी जैव विविधता; भूमि, जल और वायुमंडल की परस्पर क्रियाएँ; पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के लिए उपाय; भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास और सतत आजीविका; क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए नीति और शासन ढाँचे; और सतत विकास के लिए लैंगिक समानत और सामाजिक समावेशन शामिल हैं। 21 सत्रों के माध्यम से प्रत्येक विषय पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी, जिसमें हिमालय में लचीलापन और सतत सामाजिक-आर्थिक विकास के निर्माण के उद्देश्य से प्रस्तुतियाँ, खुले संवाद और नीतिगत सुझाव शामिल होंगे।

इस मंच के माध्यम से, इस सम्मेलन का उद्देश्य उभरते परिदृश्य के आलोक में हिमालय के लिए मौजूदा कार्ययोजना पर पुनर्विचार करना और लचीलेपन एवं सतत सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक संशोधित योजना विकसित करना है। यह जलवायु लचीलेपन के लिए कार्यों को भी मजबूत करेगा, स्थायी आजीविका और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, शासन और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाएगा, और विकास योजना में लैंगिक समानता और सामाजिक समावेश को मुख्यधारा में लाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित जलवायु रणनीतियों को बढ़ावा देना, ज़िम्मेदार पर्यटन को प्रोत्साहित करना और हरित उद्यमिता तथा मूल्यवर्धित स्थानीय उत्पादों के विकास के माध्यम से पर्वतीय समुदायों का समर्थन करना भी है। यह हिमालयी राज्यों और पड़ोसी देशों में संरक्षण और विकास पहलों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग तंत्रों का पता लगाएगा।

इस सम्मेलन का आयोजन संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी), अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन), आईसीएआरएस, आईआईटी रुड़की, राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र (एनसीएससीएम), वेटलैंड्स इंटरेक्शन साउथ एशिया (ड ब्ल्यू आ ई ए स ए) उत्तराखंड विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूसीओएसटी), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और कई विश्वविद्यालय और गैर सरकारी संगठन शामिल हैं।

हिमालय भारतीय उपमहाद्वीप की पारिस्थितिक रीढ़ है। जैसे-जैसे हम भारत2047 की ओर बढ़ रहे हैं, विकास और पर्यावरणीय अखंडता के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। यह सम्मेलन एक लचीले और टिकाऊ हिमालयी भविष्य के लिए एक मार्ग विकसित करने में मदद करेगा।" इस आयोजन के परिणामों से भूजल और भूमि क्षरण के प्रबंधन के लिए रणनीतियां सामने आने की उम्मीद है, साथ ही जलवायु परिवर्तन के उपायों और कार्रवाई नीतियों को लागू करने, समुदायों को स्थायी आजीविका प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने और जिम्मेदार और टिकाऊ पर्यटन के लिए नए सिरे से प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने की भी उम्मीद है। यह सम्मेलन एक अद्यतन हिमालयी कार्य योजना के विकास में भी योगदान देगा, जो उभरती चुनौतियों के मद्देनजर क्षेत्र को सुरक्षित, समावेशी और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाएगा।

भावनगर रेलवे मंडल के कर्मचारियों ने ₹1.70 लाख कीमत का यात्री का भूलवश छूटा लैपटॉप सुरक्षित लौटाया

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के कर्मचारी अपने सम्मानित यात्रियों की सहायता हेतु सदैव तत्पर रहते हैं। इसी प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण वेरावल स्टेशन पर देखने को मिला, जहाँ एक यात्री का लैपटॉप वाला बैग भूलवश सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में छूट गया था, जिसे रेलवे कर्मचारियों ने अत्यंत ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ सुरक्षित ढूंढ़कर यात्री को लौटा दिया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 10 नवम्बर, 2025 को एक यात्री ट्रेन नंबर 22957 गांधीनगर कैपिटल-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस में बी-1 कोच में

चांदलोडिया से केशोद तक यात्रा किये। केशोद पहुंचने के बाद जल्दबाजी में उनका लैपटॉप वाला बैग, सीट पर हीं भूलवश छूट गया। ट्रेन के प्रस्थान करने के बाद उन्होंने रेलमदद ऐप के माध्यम से रेलवे प्रशासन को सूचित किया। रेलमदद पर सूचना प्राप्त होते हीं रेलवे कर्मचारी हरकत में आ गये। कंट्रोल ओफिस से ट्रेन में कार्यरत टीटीई श्री शम्भू प्रसाद को मैसेज किया गया। सूचना प्राप्त होने पर टीटीई श्री शम्भू प्रसाद ने उक्त कोच के बर्थ पर जाकर देखा तो वहां उनको लैपटॉप वाला बैग मिल गया। इसकी सूचना यात्री को दे दी गई और आवश्यक पूछताछ के पश्चात वेरावल स्टेशन पर यात्री को लैपटॉप सहित बैग सौंप दिया गया।

लैपटॉप सुरक्षित रूप से प्राप्त होने पर यात्री ने रेलवे प्रशासन के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और सभी संबंधित कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने इस सराहनीय कार्य के लिए संबंधित कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि यह कार्य भारतीय रेल की ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं यात्री सेवा की भावना का प्रतीक है।

एनएचआरसी, भारत का दो सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप कार्यक्रम - नवंबर 2025 से शुरू

देश के विभिन्न भागों और विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए ९०० से अधिक आवेदकों में से विश्वविद्यालय स्तर के ८० छात्रों का चयन

शुरूआती संबोधन में एनएचआरसी के महासचिव श्री भरत लाल ने कहा कि ऑनलाइन इंटर्नशिप के माध्यम से आयोग देश के सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचकर मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता का निर्माण कर रहा है

एनएचआरसी महासचिव ने प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि वे गहराई से चिंतन करें, उद्देश्यपूर्ण जीवन जिएं और संवैधानिक आदर्शों को व्यवहार में उतारें तथा न्याय, सहानुभूति एवं गरिमा के दूत बनें

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत ने नवंबर 2025 के लिए अपना दो सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप कार्यक्रम (ओएसटीआई) शुरू किया। इस संबंध में कुल 906 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से देश भर के 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से विभिन्न शैक्षणिक विषयों का प्रतिनिधित्व करने वाले ८० छात्रों को इसमें भाग लेने के लिए चुना गया है। इस इंटर्नशिप का उद्देश्य कॉलेज/विश्वविद्यालय के छात्रों को मानवाधिकारों के संवर्धन और संरक्षण की व्यापक समझ प्रदान करना है।

अपने शुरूआती संबोधन में एनएचआरसी महासचिव श्री भरत लाल ने कहा कि आयोग अपने अधिदेश के अनुरूप, ऑनलाइन इंटर्नशिप के माध्यम से मानव अधिकार जागरूकता पैदा करने के लिए देश के हर हिस्से तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। इसका उद्देश्य युवा मस्तिष्कों को मानवाधिकारों को गरिमापूर्ण जीवन मूल्यों के रूप में बनाए रखने के लिए संवेदनशील बनाना, शिक्षित करना और प्रेरित करना है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सम्मान सभी मानवाधिकारों का केंद्र है, उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का इनकार, चाहे वह भेदभाव के माध्यम से हो या बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण, मानव अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि वे गहराई से चिंतन करें, उद्देश्यपूर्ण जीवन जिएं और संवैधानिक आदर्शों को अपने व्यवहार में उतारें तथा न्याय, सहानुभूति और गरिमा के दूत बनें।

श्री लाल ने कहा कि मानव अधिकार बहुत गतिशील है और समय के साथ विकसित होता रहता है तथा नयी चुनौतियां लेकर आता है। साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), जलवायु, स्वच्छ वायु और जल जैसे मुद्दे मानव अधिकारों को प्रभावित करने वाले नए मुद्दे हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अनुरोध किया कि वे इस अवसर का सर्वोत्तम उपयोग करें और दूसरों के जीवन पर प्रभाव डालकर अपने जीवन को सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण बनाएं तथा एक स्थायी और सकारात्मक छाप छोड़ें।

इंटर्नशिप पाठ्यक्रम का विवरण देते हुए राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की संयुक्त सचिव श्रीमती सैदिंगपुई छकछुआक ने कहा कि 34 विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा 43 सत्रों में प्रशिक्षुओं को अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार, हाथ से मैला ढोने की प्रथा में शामिल लोगों के अधिकार, मानव अधिकार के रूप में मानसिक स्वास्थ्य, किशोर न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षुओं को दिल्ली में तिहाड़ जेल, पुलिस थाना और आशा किरण आश्रय गृह का ऑनलाइन दौरा भी कराया जाएगा ताकि उन्हें उनकी कार्यप्रणाली की व्यावहारिक जानकारी मिल सके। इसके अलावा, पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता, मानव अधिकार मुद्दों पर समूह शोध परियोजना प्रस्तुति और भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल वीरेंद्र सिंह भी उपस्थित थे।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ना व जीएसटी सुधार ऊर्जा की आत्मनिर्भरता को बल देगा

भारत का आटोमोबाइल क्षेत्र, अर्थव्यवस्था और जीएसटी में कटौती जब ये सारी नीतियां प्रभावी रूप से लागू होंगी, तब वाहनों की बिव्री और उत्पादन दोनों बढ़ेंगे। निाित ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई रफ्तार मिल सकेगी। लोग भी स्वच्छ और सस्ती यात्रा का आनंद ले पाएंगे। ऊर्जा की भी बचत होगी और तेल आयात पर निर्भरता घटेगी। उद्योगों में निवेश बढ़ेगा और हरित विकास को बल मिलेगा। भारत का आटोमोबाइल क्षेत्र, अर्थव्यवस्था और जीएसटी में कटौती दोपहिया वाहन, ग्रामीण ही नहीं शहरी भारत की भी रीढ़ है, क्यों कि इनका इस्तेमाल कमोबेश हर घर-परिवार में होता है। इस साल अक्टूबर 2025 में दोपहिया वाहनों की बिी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, यह हमारे देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत ही शुभ संकेत कहा जा सकता है। शुभ संकेत इसलिए क्यों कि वर्तमान समय में वैश्विक आर्थिक हालात बेहद अनिाित बने हुए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि युद्ध, महंगाई और आपरूति श्रृंखला में बाधाएं विश्व अर्थव्यवस्था को कहीं न कहीं अवश्य ही प्रभावित कर रही हैं। यही कारण है कि आज कई देशों में बेरोजगारी और मुद्रा अस्थिरता की स्थिति तक बनी हुई है। ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन से उत्पादन लागत बढ़ रही है। यहां तक कि निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है और बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी है। विकासशील देशों पर कर्ज और व्यापार घाटे का दबाव बढ़ रहा है। इन सबके बीच स्थायी और संतुलित आर्थिक नीतियों की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे अनिाित वैश्विक आर्थिक हालात में एफ.ए.डी.ए. के दोपहिया वाहन बिी के आंकड़े राहत भरे हैं और ये कहीं न कहीं उपभोत्ताओं के लौटते भरोसे का भी प्रतीक हैं। एफ.ए.डी.ए. के आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर 2025 में दोपहिया वाहनों की बिी लगभग 31.5 लाख (3.15 मिलियन) यूनिट्स रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह वृद्धि पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में लगभग ऋ51.76ट्ठ है। 42-दिन (त्योहार अवधि) में दोपहिया वाहनों की बिी वर्ष-पूर्व की तुलना में ऋ22ट्ठ रही तथा इस दौरान समग्र वाहन बिव्री ऋ21ट्ठ रही। न केवल दोपहिया वाहन, बल्कि इस महीने में (अक्टूबर माह 2025 में) चौपहिया वाहनों की बिव्री में भी इजाफा हुआ है। एफ.ए.डी.ए. के आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर 2025 में वुल वाहन रिटेल 40.23 लाख यूनिट (वाई ओ वाई यानी कि वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि लगभग 40.5 ट्ठ) रही। वहीं दूसरी ओर पैसेंजर वाहन (चारपहिया) 5.57 लाख यूनिट (वाई ओ वाई वृद्धि लगभग 11.35 ट्ठ) तथा वाणिज्यिक वाहन (कर्मशियल व्हीकल्स) 1,07,841 यूनिट (साल दर साल लगभग 17.7ट्ठ की वृद्धि) रही। दरअसल, वाहनों की बिी बढ़ने के पीछे वुछ कारण रहे। मसलन, सरकार द्वारा लागू की गई जीएसटी 2.0 सुधारों के अंतर्गत एंट्री-लेवल दोपहिया वाहनों पर टैक्स दरों में कटौती हुई, जिससे इन वाहनों की कीमतें कम हुईं और खरीदने वालों के लिए आकर्षक बनीं। जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि शहरी की तुलना में कहीं अधिक रही है। वास्तव में, दोपहिया वाहनों की बिी में ग्रामीण-शहरी वृद्धि का अन्तर काफी उल्लेखनीय रहा। त्योहारों का सीजन (दशहरादिवाली) और ग्रामीण स्थानों में मांग में वृद्धि इसका विशेष कारण रहे। दरअसल, अच्छे मानसून एवं ग्रामीण व्रय शत्ति ने भी इसमें काफी मदद की। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि एफ.ए.डी.ए. का पूरा नाम है-' पेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन्स)। ' बहुत कम लोग ही यह जानते होंगे कि यहएक राष्ट्रीय स्तर का संगठन (नेशनल बाडी) है, जो भारत में सभी वाहन डीलरों (आटोमोबाइल डीलर्स)- जैसे कि कार, बाइक, ट्रक, बस आदि के शोरूम या बिी वेंद्र का प्रतिनिधित्व करता है। वास्तव में, यह भारत के वाहन डीलरों का एक प्रतिनिधि संगठन है, जो सरकार, वंपनियों और ग्राहकों के बीच एक संतुलनकारी भूमिका निभाता है। बहरहाल, वाहनों की बिव्री (दोपहिया, चौपहिया) से किसी भी अर्थव्यवस्था को काफी लाभ होता है। दरअसल,वाहन उद्योग (दोपहिया और चौपहिया) को किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। इससे न केवल परिवहन सुगम होता है, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार भी मिलता है-जैसे कि उत्पादन, बिी, मरम्मत, बीमा, और परिवहन सेवाओं में। वाहन उद्योग में वृद्धि से स्टील, पेट्रोलियम, रबर, प्लास्टिक, और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे सहायक उद्योगों को भी गति मिलती है। इतना ही नहीं, सरकार को वाहन बिव्री पर लगने वाले टैक्स, जीएसटी, और रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में भारी राजस्व प्राप्त होता है। वाहनों की संख्या बढ़ने से पर्यटन, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक सेक्टर में भी तेजी आती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों के प्रसार से किसानों और छोटे व्यवसायियों की उत्पादकता बढ़ती है। आज के समय में इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता चलन हमारे देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहा है। इस तरह वाहन उद्योग आर्थिक विकास, रोजगार और औद्योगिक प्रगति-तीनों का प्रमुख आधार बन चुका है। बहरहाल,पेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के आंकड़े यह बताते हैं कि अत्तूबर में यात्री वाहनों की बिी में 11.35 और दोपहिया वाहनों की बिी में सालाना आधार पर 51.76 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो हमारे देश की अर्थव्यवस्था की अंदरूनी लहर को ही दशार्ती है। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि भारत में दोपहिया वाहन उद्योग विश्व के सबसे बड़े उद्योगों में से एक है। देश में कई प्रमुख वंपनियां हैं जो अपनी उत्वृष्ट गुणवत्ता, तकनीक और किफायती दामों के लिए जानी जाती हैं। मसलन, हीरो मोटोकॉर्प भारत की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निमार्ता वंपनी है, जो स्प्लेंडर, पैशन और एचएफ डीलक्स जैसे लोकप्रिय मॉडल बनाती है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्वूटर इंडिया (एचएमएसआइ) एक्टिवा और शाइन जैसे मॉडल के लिए प्रसिद्ध है। वहीं पर टीवीएस मोटर वंपनी अपाचे और जुपिटर जैसे मॉडलों के कारण युवाओं में खास लोकप्रिय है। बजाज ऑटो अपने पल्सर और प्लेटिना रेंज के लिए जानी जाती है, जबकि रॉयल एनफील्ड अपने क्लासिक और बुलेट मॉडलों से प्रीमियम सेगमेंट पर कब्जा रखती है। इसके अलावा सुजुकी, यामाहा और महिद्रा टू व्हीलर्स जैसी वंपनियां भी बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए हैं। इन सभी वंपनियों ने न केवल घरेलू बाजार में बल्कि निर्यात के क्षेत्र में भी भारत की पहचान को विश्व स्तर पर मजबूत किया है। इस बार त्योहारी सीजन के आसपास से, जब से जीएसटी में कटौती की गई है,तब से ही हीरो, होंडा, बजाज और टीवीएस जैसी वंपनियों के शोरूम फिर से गुलजार हैं, तो इसका सीधा सा मतलब यह है कि गांव-कस्बों में लोग फिर से कर्ज लेकर या बचत खर्च कर नए वाहन खरीद रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पिछले वुछ समय से देश की वृषि अर्थव्यवस्था में भी सुधार देखने को मिला है। वहीं इस बार हमारे देश में मानसून भी खूब अच्छा रहा और इससे उत्पादन भी अच्छा रहा। उत्पादन अच्छा होने से किसान समृद्ध और खुशहाल हुए हैं और उनकी व्रय शत्ति बढ़ी है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि वेंद्र सरकार ने हाल ही में किसानों की आय बढ़ाने और वृषि क्षेत्र को सशत्त बनाने के उद्देश्य से रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। अतः वुल मिलाकर यहां यह बात कही जा सकती है कि एमएसपी में वृद्धि, अनुवूल मौसम (अच्छा मानसून) और विभिन्न सरकारी प्रोत्साहनों के चलते आज भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ लगातार तेज़ हो रही हैं, जिसका सकारात्मक असर खुदरा बाज़ारों और औद्योगिक उत्पादन पर भी दिखाई पड़ा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में ऑटो क्षेत्र का भविष्य तेजी से बदलते परिवेश में पर्यावरणीय संतुलन के साथ जुड़ता जा रहा है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइब्रिड टेक्नोलॉजी और ग्रीन फ्यूल जैसे इथेनॉल, सीएनजी और हाइड्रोजन पर आधारित वाहनों का विस्तार हो रहा है। सरकार भी नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन और पेम इंडिया स्कीम जैसी योजनाओं से इस दिशा में प्रोत्साहन दे रही है। आने वाले वर्षों में पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों की जगह पर्यावरण अनुवूल वाहनों का बोलबाला होगा। इससे न प्रदूषण घटेगा व देश की तेल आयात पर निर्भरता भी कम होगी। जब ये सारी नीतियां प्रभावी रूप से लागू होंगी, तब वाहनों की बिक्री और उत्पादन दोनों बढ़ेंगे। निाित ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई रफ्तार मिल सकेगी। लोग भी स्वच्छ और सस्ती यात्रा का आनंद ले पाएंगे। ऊर्जा की भी बचत।

नई तकनीक के निर्माण और उसे अपनाने को निर्बाध, तीव्र और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रणालियों और परितंत्र के निर्माण की जरूरत: रक्षा मंत्री

देश को प्रौद्योगिकी निमार्ता बनाने के लिए सैनिक, वैज्ञानिक, स्टार्टअप और रणनीतिकार के बीच तालमेल आवश्यक है

श्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भरता को डिजिटल संप्रभुता यानी प्लेटफॉर्म को शक्ति प्रदान करने वाले एल्गोरिदम, डेटा और चिप्स पर नियंत्रण तक विस्तारित करने का आ'ान किया

सच्ची रणनीतिक स्वायत्तता तभी आएगी जब हमारा कोड हमारे हार्डवेयर की तरह स्वदेशी होगा

जीवन-चक्र लागत की अवधारणा कई उन्नत देशों के खरीद ढांचे में गहराई से समाहित है; अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे शुरूआती चरण में ही इन निर्वाह लागतों का आकलन करें

दिल्ली की दुखद घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा: रक्षा मंत्री

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने देश को उपभोक्ता से प्रौद्योगिकी निमार्ता के रूप में स्थापित करने के लिए न केवल नए नवाचारों को अपनाने की जरूरत पर बल दिया है, बल्कि ऐसी परिस्थितियां बनाने पर भी जोर दिया है जहां विशिष्ट उत्पाद सुदृढ़ प्रक्रियाओं, सक्रिय संस्थानों और सहयोग की उस भावना के माध्यम से फल-फूल सकें जिसमें सैनिक, वैज्ञानिक, स्टार्टअप और रणनीतिकार को एकजुट किया जा सके। श्री सिंह ये बातें 11 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-आईडीएसए) की ओर से आयोजित दिल्ली रक्षा संवाद में उद्घाटन भाषण में कहीं। इस संवाद का विषय - 'रक्षा क्षमता विकास में आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग' था।

रक्षा मंत्री ने ऐसी प्रणालियां और परितंत्र बनाने का आ'ान किया जो नई तकनीक के निर्माण और उसे अपनाने को स्वाभाविक, तीव्र और आत्मनिर्भर बनाएं। उन्होंने कहा कि अगर हमारी नींव मजबूत है, हमारी संस्थाएं सक्रिय हैं, हमारी सोच खुली है और हमारा सहयोग निर्बाध है, तो हर नई तकनीकी लहर हमें अभिभूत नहीं कर पाएगी। यह हमें आगे बढ़ाएगी। हम न केवल कहीं और हुए बदलावों के अनुकूल ढलेंगे, बल्कि यहां हुए बदलावों के निमार्ता भी बनेंगे।

श्री राजनाथ सिंह ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग और स्वार्म टेक जैसी क्रांतिकारी तकनीकों को आत्मसात करने और उनके अनुकूल ढलने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उन्नति की असली परीक्षा इस बात में निहित है कि उपकरण कैसे काम करते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक की शक्ति केवल उपकरणों या एल्गोरिदम तक सीमित नहीं है; यह इसकी सर्वव्यापी प्रकृति में निहित है कि किस तरह से यह राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देने वाली हर प्रक्रिया, प्रणाली और निर्णय को पुनर्परिभाषित करती है। तकनीक का उपयोग केवल नए उपकरण जोड़ना नहीं है। यह हमारे संस्थानों को अधिक चुस्त, पूवार्नुमानित और अनुकूलनशील बनाने और एक ऐसी रक्षा संरचना बनाने को लेकर है जो निरंतर सीखती है, तुरंत प्रतिक्रिया देती है और परिवर्तन की गति के साथ निरंतर विकसित होती है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि तेज गति वाले डेटा लिंक, एआई-संचालित एल्गोरिथम, क्वांटम कंप्यूटिंग और स्वायत्त प्रणालियां त्वरित आंतरिक प्रक्रियाओं और उन्हें प्रभावी ढंग से आत्मसात करने और लागू करने की मजबूत मानवीय एवं संस्थागत क्षमता

के बिना कम हासिल कर पाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि रक्षा तैयारियां काफी हद तक अदृश्य तकनीकों पर निर्भर करती हैं जिनमें सुरक्षित डेटा आर्किटेक्चर, एन्क्रिप्टेड नेटवर्क, स्वचालित रखरखाव प्रणालियां और इंटरऑपरेबल डेटाबेस शामिल हैं।

भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज रक्षा औद्योगिक आधार नए आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ विस्तार कर रहा है, डीआरडीओ, सशस्त्र बलों, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच तालमेल से अनुसंधान, परीक्षण, क्षेत्रीय प्रतिक्रिया और नवाचार का एक सकारात्मक चक्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल वैश्विक नवाचार के साथ कदमताल मिलाकर संतुष्ट नहीं रह सकता, बल्कि प्रक्रियागत जड़ता के बजाय सहयोग और गति को प्रोत्साहित करके नवाचार की संस्कृति को पोषित करते रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी नेतृत्व किसी विशिष्ट प्रतिभा से नहीं उभरता, बल्कि एक ऐसे राष्ट्रीय परितंत्र से विकसित होता है जो विचारों को पुरस्कृत करता है, असफलताओं को सहन करता है और सफलताओं का जश्न मनाता है।

रक्षा मंत्री ने रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीडीएफ) जैसी पहलों का विशेष उल्लेख किया, जो नवोन्मेषकों की एक नई पीढ़ी को पोषित कर रहे हैं, जो राष्ट्रीय रक्षा को राष्ट्रीय सेवा के एक मिशन के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि ये नवोन्मेषक एक ऐसे भविष्य के निमार्ता हैं जहां स्वायत्त प्रणालियों और क्वांटम सेंसर से लेकर उन्नत सामग्रियों और अंतरिक्ष-आधारित निगरानी तक अत्याधुनिक तकनीकों में भारतीय प्रतिभा की छाप होगी। उन्होंने कहा कि युवा उद्यमियों, एमएसएमई से लेकर भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुखों तक, आम लोगों और कंपनियों ने विकसित भारत और आत्मनिर्भरता के मिशन को प्राप्त करने में मदद करने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है।

श्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भरता को स्वदेशी प्रणालियों के निर्माण से आगे बढ़ाकर डिजिटल संप्रभुता यानी प्लेटफॉर्म को शक्ति प्रदान करने वाले एल्गोरिदम, डेटा और चिप्स पर नियंत्रण तक विस्तारित करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, 'सच्ची रणनीतिक स्वायत्तता तभी आएगी जब हमारा कोड हमारे हार्डवेयर जितना ही स्वदेशी होगा। इसलिए, हम सुरक्षित, स्वदेशी सॉफ़्टवेयर स्टैक, विश्वसनीय सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं और भारतीय डेटा पर प्रशिक्षित स्वदेशी एआई मॉडल को प्रोत्साहित कर रहे हैं। मशीनों और एल्गोरिदम को लेकर भारी उत्साह के बीच, हमें यह याद रखना चाहिए कि तकनीक मानवीय निर्णय को बदलने के लिए नहीं, बल्कि उसे बढ़ाने के लिए है। हमें इन उभरती तकनीकों के नैतिक, मनोवैज्ञानिक और कानूनी आयामों में भी निवेश करना चाहिए। एक सभ्यतागत शक्ति के रूप में, भारत सैन्य तकनीक के ज़िम्मेदार और मानवीय उपयोग पर बातचीत का नेतृत्व कर सकता है और उसे ऐसा करना भी चाहिए।"

श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि तकनीक को न केवल बल गुणक के रूप में, बल्कि संसाधन अनुकूलक के रूप में भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार और प्रत्येक संसाधन का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए पूंजीगत खरीद प्रक्रिया में तकनीक और डेटा विश्लेषण का लाभ उठाने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'कई उन्नत देशों में, जीवन-चक्र लागत की अवधारणा उनके खरीद ढांचों में गहराई से समाहित है। हाल ही में मैंने निर्देश दिया है कि हमें भी प्रत्येक खरीद प्रस्ताव के आरंभिक चरण से ही इन संपोषण लागतों का आकलन शुरू कर देना चाहिए। इससे हमें पूरी तस्वीर देखने में मदद मिलेगी, न केवल यह कि हम आज क्या निवेश करते हैं, बल्कि यह भी कि हमें कल क्या बनाए रखना है।'

रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों से न केवल उपकरणों से संबंधित तकनीक में, बल्कि प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक्स, योजना और प्रबंधन प्रणालियों से संबंधित क्षेत्रों में भी सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं पर नजर रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सर्वोत्तम उपकरणों का आयात करने की तुलना में सर्वोत्तम प्रथाओं का आयात करना कहीं बेहतर है क्योंकि एक बार जब हम प्रक्रिया में निपुण हो जाते हैं और हमारी प्रणालियां मजबूत, अनुकूलनीय और पारदर्शी हो जाती हैं। ऐसे में हम न केवल विदेशों से उत्कृष्टता खरीदेंगे, बल्कि उसे अपने देश में भी उत्पादित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि एमपी-आईडीएसए ऐसी प्रथाओं का अध्ययन, दस्तावेजीकरण और प्रसार करके, और सेनाओं को हमारे राष्ट्रीय संदर्भ में सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं को अपनाने में मदद करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

श्री राजनाथ सिंह ने इस कार्यक्रम में अपने संबोधन की शुरूआत 10 नवंबर, 2025 को दिल्ली में हुए दुखद हादसे में मारे गए लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए की। उन्होंने कहा कि देश की अग्रणी जांच एजेंसियां इस घटना की त्वरित और गहन जांच कर रही हैं, जांच के निष्कर्ष जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने देश को आश्वासन दिया कि इस हादसे के ज़िम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उन्हें किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एमपी-आईडीएसए के महानिदेशक राजदूत सुजान चिनॉय, मित्र देशों के राजदूत और नागरिक एवं सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ट्राई ने उत्तर-पूर्व लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र के अंतर्गत मेघालय राज्य के शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले में नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन किया

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सितंबर 2025 में मेघालय राज्य के शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले में व्यापक शहर मार्गों को कवर करते हुए उत्तर-पूर्व (एलएसए) के लिए अपने स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) निष्कर्ष जारी किए हैं। ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता की देखरेख में आयोजित ड्राइव परीक्षणों को विविध उपयोग वाले वातावरणों- शहरी क्षेत्रों, संस्थागत हॉटस्पॉट, ग्रामीण आवासीय क्षेत्रों, पर्यटन स्थलों आदि में वास्तविक दुनिया के मोबाइल नेटवर्क प्रदर्शन को दर्ज करने के लिए डिजाइन किया गया था।

ट्राई की टीमों ने 1 सितंबर 2025 से 5 सितंबर 2025 के बीच मेघालय राज्य के शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले में विस्तृत परीक्षण किए जिसमें 269.4 किलोमीटर का सिटी ड्राइव टेस्ट, 9 हॉटस्पॉट लोकेशन और 1.6 किलोमीटर का पैदल परीक्षण शामिल था। मूल्यांकन की गई तकनीकों में 2जी, 3जी, 4 जी और 5जी शामिल थे जो विभिन्न हैंडसेट क्षमताओं वाले उपयोगकताओं के सेवा अनुभव को दशार्ते हैं। आईडीटी के निष्कर्षों से सभी संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को पहले ही अवगत करा दिया गया है।

मूल्यांकन के प्रमुख मानदंडः

क) वॉयस सेवाएं : कॉल सेटअप सफलता दर (सीएसएसआर), ड्रॉप कॉल दर (डीसीआर), कॉल सेटअप समय, कॉल साइलेंस दर, भाषण गुणवत्ता (एमओएस), कवरेज।

ख) डेटा सेवाएं : डाउनलोड/अपलोड थ्रूपुट, विलंबता, जिटर, पैकेट ड्रॉप दर और वीडियो स्ट्रीमिंग में विलंब।

शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले तथा आसपास के क्षेत्रों में समग्र मोबाइल नेटवर्क प्रदर्शन का सारांश नीचे दिया गया हैः

कॉल सेटअप सफलता दर - एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल सेटअप सफलता दर ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में क्रमशः 96.34 प्रतिशत, 73.63 प्रतिशत, 99.12 प्रतिशत और 80.20 प्रतिशत है।

ड्रॉप कॉल दर- एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में ड्रॉप कॉल दर क्रमशः 2.46 प्रतिशत, 12.19 प्रतिशत, 0.89 प्रतिशत और 3.49 प्रतिशत है।

5जी डेटा सेवाओं ने शहरी क्षेत्रों में अधिकतम औसत डाउनलोड गति 157.15 एमबीपीएस तथा अधिकतम औसत अपलोड गति 10.89 एमबीपीएस प्रदान की।

शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले में किए गए मूल्यांकन में जोराबाट, बिरनीहाट, उमराई, उमरेव, भोरियम्बोंग, उमियम, किरदेमखला, मावकडोक, चेरापूंजी और मावसिनराम आदि क्षेत्र शामिल थे। ट्राई ने (i) प्रशासनिक ब्लॉक मेघालय विधान सभा, (ii) एलिफेंट फॉल्स शिलांग, (iii) आईआईएम शिलांग नई बिल्डिंग एडमिन ब्लॉक, (iv) आईएसबीटी शिलांग मावलाई-मावियोंग, (v) मावफलांग पवित्र वन, (vi) मावसमाई गुफा चेरापूंजी, (vii) पुलिस बाजार, (viii) सेवन सिस्टर्स वाटरफॉल चेरापूंजी, (ix) उमियम झील में अचल स्थिति में परीक्षण के माध्यम से और (i) सिविल अस्पताल लाचुमियर, शिलांग, (ii) मेघालय विधान सभा और (iii) वार्ड्स झील में वॉक-टेस्ट के माध्यम से वास्तविक दुनिया की स्थितियों का मूल्यांकन किया ।

प्रमुख क्यूओएस मापदंडों पर प्रदर्शनः

सारांश-वॉयस सेवाएं

कॉल सेटअप सफलता दरः एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल सेटअप सफलता दर ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में क्रमशः 96.34 प्रतिशत, 73.63 प्रतिशत, 99.12 प्रतिशत और 80.20 प्रतिशत है।

कॉल सेटअप समयः एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल में ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में कॉल सेटअप समय क्रमशः 2.53, 2.81, 0.97 और 2.08 सेकंड है।

ड्रॉप कॉल दरः एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल में ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में ड्रॉप कॉल दर क्रमशः 2.46 प्रतिशत, 12.19 प्रतिशत, 0.89 प्रतिशत और 3.49 प्रतिशत है।

कॉल साइलेंस/म्यूट दरः पैकेट स्विच्ड नेटवर्क (5जी/4जी) में एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की साइलेंस कॉल दर क्रमशः 7.12 प्रतिशत, 1.30 प्रतिशत, 8.70 प्रतिशत और 3.26 प्रतिशत है।

औसत राय स्कोर (एमओएस): एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल का औसतन एमओएस क्रमशः 3.93, 2.97, 3.68 और 4.51 है।

सारांश-डेटा सेवाएं

डेटा डाउनलोड प्रदर्शन (समग्र): एयरटेल (5जी/4जी/2जी) की औसत डाउनलोड गति 55.11 एमबीपीएस, बीएसएनएल (4जी/3जी/2जी) 0.98 एमबीपीएस, आरजेआईएल (5जी/4जी) 157.15 एमबीपीएस और वीआईएल (4जी/2जी) 17.32 एमबीपीएस है।

डेटा अपलोड प्रदर्शन (समग्र): एयरटेल (5जी/4जी/2जी) की औसत अपलोड गति 7.62 एमबीपीएस, बीएसएनएल (4जी/3जी/2जी) 2.39 एमबीपीएस, आरजेआईएल (5जी/4जी) 10.89 एमबीपीएस और वीआईएल (4जी/2जी) 6.84 एमबीपीएस है।

विलंब (समग्र): एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की 50वीं प्रतिशत विलंबता क्रमशः 28.80 एमएस, 82.00 एमएस, 20.85 एमएस और 46.35 एमएस है।

डेटा प्रदर्शन - हॉटस्पॉट (एमबीपीएस में):

एयरटेल- 4जी डी/एलः 23.81 4जी यू/एलः 6.21

5जी डी/एलः 136.70 5जी यू/एलः 14.56

बीएसएनएल- 4जी डी/एलः 0.86 4जी यू/एलः 2.51

आरजेआईएल- 4जी डी/एलः 18.38 4जी यू/एलः 2.23

5जी डी/एलः 204.70 5जी यू/एलः 14.53

वीआईएल- 4जी डी/एलः 20.48 4जी यू/एलः 7.03

नोट- 'डी/एल' डाउनलोड गति, 'यू/एल' अपलोड गति

सीएसएसआरः कॉल सेटअप सफलता दर (प्रतिशत में), सीएसटीः कॉल सेटअप समय (सेकंड में), डीसीआरः ड्रॉप कॉल दर (प्रतिशत में) और एलओएसः औसत राय स्कोर

ये परीक्षण वास्तविक समय में ट्राई की ओर से सुझाए गए उपकरणों और मानकीकृत प्रोटोकॉल का उपयोग करके किए गए थे। विस्तृत रिपोर्ट ट्राई की वेबसाइट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। किसी भी स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, श्री कौशिक मुखर्जी, सलाहकार (क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता) ट्राई से ईमेलः

वेव्स बाजार और अहा द्वारा संचालित तथा प्रोड्यूसर बाजार और इंडियाजॉय द्वारा आयोजित इंडियाजॉय बी2बी 2025 ने भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को सशक्त किया

इंडियाजॉय बी2बी 2025 ने एवीजीसी-एक्सआर और फिल्म उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में हैदराबाद की स्थिति को मजबूत किया

प्रविष्टि तिथिः 11 ठडश 2025 4:50ढट ु८ ढक्ह ळ्ै

'इंडियाजॉय बी2बी 2025 पहल' जिसमें भारतीय फिल्म बाजार और वेव्स एनिमेशन बाजार शामिल थे, का सफल आयोजन वेव्स बाजार, प्रोड्यूसरबाजार और अहा के सहयोग से इंडियाजॉय कार्यक्रम में किया गया। इससे एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) और फिल्म उद्योग के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में हैदराबाद की स्थिति और मजबूत हुई।

इस वर्ष के संस्करण में देश भर से 120 विक्रेताओं और 35 खरीदारों ने भाग लिया, जिससे सह-निर्माण, सामग्री लाइसेंसिंग और रणनीतिक सहयोग के लिए एक मजबूत मंच तैयार हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान स्प्राउट्स स्टूडियो ने प्रोड्यूसर बाजार द्वारा संचालित वेव्स एनिमेशन बाजार और भारतीय फिल्म बाजार से जुड़ी बौद्धिक संपदा को समर्थन के लिए 6 करोड़ रुपए के कोष की घोषणा की।

वेव्स का एनिमेशन बाजार

वेव्स के एनिमेशन बाजार में 18 उभरते रचनाकारों और बौद्धिक संपदा धारकों को प्रदर्शित किया गया, जो एनिमेशन और नए मीडिया में भारत के बढ़ते प्रतिभा भंडार और रचनात्मकता को दशार्ते हैं। इस बाजार ने कहानीकारों, निमार्ताओं और वितरकों

को सफलतापूर्वक जोड़ा, जिससे सार्थक चचाएं और साझेदारियां हुईं जो भारत के मनोरंजन इको-सिस्टम को आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।

इस वर्ष के संस्करण में प्रमुख खरीदारों में अहा, जी, स्पिरिट मीडिया, जियो हॉटस्टार, सुरेश प्रोडक्शंस, ईटीवी विन, वॉचो, नॉर्थस्टार एंटरटेनमेंट और अल्फा पिक्चर्स शामिल थे। इस पहल के तहत सामग्री अधिकार मुद्रीकरण के लिए 24 करोड़ रुपए के प्रस्ताव रखे गए और संभावित भागीदारों के साथ उन पर चर्चा की गई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव, श्री संजय जाजू ने उद्घाटन सत्र के दौरान कहा :

"इस आयोजन से मनोरंजन उद्योग के सभी क्षेत्रों को लाभ होने की उम्मीद है। विक्रेताओं और खरीदारों को एक ही मंच पर लाने से भारत के मनोरंजन व्यापार को और ऊर्जा मिलेगी। जिस तरह आईपीएल ने भारतीय क्रिकेट में क्रांति ला दी, उसी तरह रचनात्मकता और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने वाली वेव्स पहल मनोरंजन क्षेत्र को बदल देगी।"

इंडियाजॉय में वेव्स बाजार के साथ सहयोग ने शुरूआती चरण के स्टूडियो को बढ़ावा देने और वैश्विक दर्शकों के लिए "भारत में निर्माण" सामग्री को बढ़ावा देकर पहल को और ज्यादा मजबूत किया है।

उत्साही भागीदारी और प्रभावशाली व्यावसायिक परिणामों के साथ इंडियाजॉय बी2बी 2025 में वेव्स बाजार ने एक बार फिर भारत के रचनात्मक उद्योगों में सहयोग, नवाचार और विकास को बढ़ावा देने वाले एक प्रमुख मंच के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत किया है।

इंडियाजॉय 2025 में 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' के विजेताओं का प्रदर्शन

इंडियाजॉय 2025 में वेव्स बाजार पवेलियन ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा समर्थित 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' (सीआईसी) विजेताओं के प्रदर्शन की भी मेजबानी की। एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के 20 से अधिक विजेताओं ने अपनी अभूतपूर्व परियोजनाओं का प्रदर्शन किया, जिनमें वीआर हेडसेट, शैक्षिक टेक उपकरण, गेमिंग प्रोटोटाइप, एनीमेशन फि ल्में और सिनेमैटिक आईपी शामिल थे, जिन्हें एनीमेशन फि ल्म प्रतियोगिता, इनोवेट2एजुकेट हैंडहेल्ड डिवाइस चैलेंज, वेव्स उत्कृष्टता पुरस्कार, एक्सआर क्रिएटर हैकाथॉन और अनरियल सिनेमैटिक चैलेंज जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विकसित किया गया था।

युवा नवप्रवर्तकों ने सूचना एवं प्रसारण सचिव श्री संजय जाजू के साथ बातचीत की।

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर रूबरू फाउंडेशन ने किया भव्य शिक्षा समारोह का आयोजन

लखनऊ। मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती एवं राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर रूबरू फाउंडेशन के तत्वावधान में एक भव्य निबंध प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का आयोजन इस्लामिया डिग्री कॉलेज, लालबाग लखनऊ के सभागार में किया गया।

इस कार्यक्रम में लखनऊ के विभिन्न इंटर कॉलेजों एवं डिग्री कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने 'मौलाना अबुल कलाम आजाद का जीवन,विचार और शिक्षा दर्शन' विषय पर अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए गए।सभी प्रतिभागियों को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि, लेखक एवं समाजसेवी इरशाद राही ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दिलशाद हुसैन अंसारी,प्राचार्य, इस्लामिया डिग्री कॉलेज, लखनऊ उपस्थित रहे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. दिलशाद हुसैन अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि "मौलाना अबुल कलाम आजाद केवल भारत के पहले शिक्षा मंत्री नहीं थे,वे भारत की आत्मा के शिक्षक थे।उन्होंने जो शिक्षा नीति दी, वह आज भी प्रासंगिक है।हर बच्चे तक ज्ञान पहुँचाना, लड़का या लड़की, यह देश का पहला कर्तव्य है।शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि इंसानियत की समझ और जिम्मेदारी है।

रूबरू फाउंडेशन जिस तरह छात्रों में लेखन और चिंतन की भावना जगा रहा है,वह हमारे समाज के उज्ज्वल भविष्य की निशानी है।'

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि इरशाद राही ने अपने भावपूर्ण संबोधन में कहा कि "आज का दौर केवल नौकरी पाने का नहीं, बल्कि नैतिकता और विचारों की शिक्षा का है।हमें नई पीढ़ी को 'नई नेशनल सोच' के साथ आगे बढ़ाना होगा —

जो केवल किताबों में नहीं, बल्कि जीवन के हर हिस्से में शिक्षा को जीना सिखाए।मैं उन सभी प्रतिभागियों को दिल से बधाई देता हूँ जिन्होंने मौलाना आजाद जैसे महापुरुष पर लिखा यह लेखन उनके विचारों की मशाल को आगे बढ़ाने का काम करेगा।'

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विनय विक्रम (राजनेता),अब्दुल वहीद (समाजसेवी), गुलाम हुसैन (पत्रकार)और उर्दू के विद्वान अब्दुल नसीर नासिर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की कन्वीनर तबस्सुम खान ने अत्यंत सुंदर संचालन किया,

जबकि सुश्री रूही रहमान,

संस्थापक एवं कोषाध्यक्ष, रूबरू फाउंडेशन ने संस्था की वर्षभर की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।सचिव मोहम्मद अजहर हुसैन,

सदस्य मोहम्मद इम्तियाज और मोहम्मद उमर ने आयोजन की सफलता में अहम भूमिका निभाई।

सभा कक्ष छात्र-छात्राओं,शिक्षकों और अतिथियों से खचाखच भरा हुआ था।कार्यक्रम का समापन प्रेरक माहौल और गगनभेदी तालियों के बीच हुआ।

सुंदर काण्ड व भजन संध्या का आयोजन

(जीएनएस)।

मसौली (बाराबंकी)

बाबा रामशरण दास भागवत दास कुटी हनुमान मंदिर मसौली पर हनुमान जी महाराज का श्रृगार के साथ फूल मालाओं से सजाया गया इसके बाद भक्तोंने सुंदर काण्ड व भजन संध्या का आयोजन किया गया ।

मंदिर के पुजारी बाबा रामलाल दास ने श्री राम स्तुति से प्रारम्भ किया श्रीराम चन्द्र कृपाल भजु मन व हरण भव्य दारूणं।फिर गणेश वंदना तुम्हें मनाऊ भोग लगाएं हे गणपति महाराज। भजन - सुंदर है नाम राम का , सुमिरन तो कीजिए ।। हे प्रभु मुझे बता दो , चरणों में कैसे आऊं । सावन की ऋतु है आजा मां ्हम झुला तुझे झुलायेगे ।

अंकित वर्मा गाया दरबार में बंशी वाले के,दुख दर्द मिटाये जाते । अर्जुन ने गाया कि जो केसरी लाल मेरा छोटा सा ये काम , मेरी राम जी कह देना जय सियाराम । रजत ने गाया बजरंगबली बाबा पार नाईया लगादेओ । बजरंगबली के जैसा राम भक्त न हुआ न होगा मतवाला ।भजन संध्या में" माता जी हनुमान जी के सुंदर सुंदर भजन भक्तों ने गाया।

सुंदरकांड व भजन संध्या के बाद उपस्थित भक्तो ने हनुमान जी की भव्य आरती उतारी के बाद खूब लगे जय श्री राम के नारे फिर प्रसाद वितरण किया गया ।इस मौके मन्दिर समिति के अध्यक्ष मोहित वर्मा अंकित वर्मा चंद्रपाल यादव,रजत वर्मा दीपक नाग शिवा नाग डा सत्रोहन लाल अशोक।काश्यप आदि भक्त मौजूद रहे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट : सैकड़ों कारों की सघन चेकिंग, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

(जीएनएस)।

लखनऊ। दिल्ली के लाल किले के पास सोमवार शाम हुए विस्फोटक धमाके के बाद उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मंगलवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सरोजनीनगर पुलिस और एयरपोर्ट सिक्योरिटी ने पहुंच रही सभी कारों की सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान करीब 100 से अधिक वाहनों की तलाशी ली गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। एयरपोर्ट चौकी प्रभारी निशु चौधरी ने बताया दिल्ली ब्लास्ट की

घटना के बाद हम पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। एयरपोर्ट पर पहुंचने वाली हर कार की चेकिंग अनिवार्य रूप से की जा रही है। मंगलवार सुबह से अब तक सैकड़ों वाहनों की जांच हो चुकी है, लेकिन फिलहाल सब कुछ सामान्य है। हमारी टीमें 24 घंटे अलर्ट पर हैं। इस घटना के बाद पूरे उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी राजीव कृष्ण के साथ बैठक कर सभी संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। लखनऊ में एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थल और बाजारों में पुलिस की भारी फोर्स तैनात है। बम निरोधक दस्ते (बीडीएस), डॉग स्क्वायड और क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) सक्रिय हैं।

एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा और थाना प्रभारी प्रदुम्ना सिंह के नेतृत्व में वाहनों की चेकिंग जारी है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत सूचना दें और अफवाहों से बचें। वही एयरपोर्ट पर यात्रियों को थोड़ी अधिक समय पहले पहुंचने की सलाह दी गई है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

एलडीए जोन-7 के जादुई कारनामे, नियम ताक पर, जेबें गरम

2020 से 2025 तक का दर्दनाक बहाना, पुलिस नहीं मिली या बिल्डर की सेवा में थे?

(जीएनएस)।

लखनऊ। नागरिकों को यह जानकर गर्व होना चाहिए कि उनका लखनऊ विकास प्राधिकरण किसी सर्कस के उस्ताद से कम नहीं है, जिसने खुद को बुलडोजर बाजीगर घोषित कर रखा है। प्राधिकरण की शूरवीरता को कोटि-कोटि प्रणाम! जब भी इन्हें महाविजयी सम्राट होने का प्रदर्शन करना होता है, ये निकल पड़ते हैं, छोटी-मोटी चहारदीवारियां और गरीबों की छतों को निशाना बनाकर, ताकि शहर को पता चले कि कानून अभी ज़िंदा है। लेकिन कानून की यह जीवंतता सिर्फ. जमीनी स्तर तक ही सीमित है। एलडीए की ईगल आई चील की नजर प्रवर्तन खंड के ठीक

नीचे, अवैध निमार्णों के राक्षसी महल आसमान छूते उग आते हैं। ये गगनचुंबी राक्षस किसी काला जादूगर की करामात लगते हैं, जिन्हें नक्शा पास करने का महापाप एलडीए की कृपादृष्टि से सहज ही माफ हो गया है प्रवर्तन जोन-7 एक हास्य नाटक का मंचन, एलडीए का प्रवर्तन जोन-7 तो मानो हास्य नाटक का मुकुट-रत्न है।

थाना चौक क्षेत्र के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक के सामने खुन खुन जी बिल्डिंग के सामने वाली लाईन मे साईकिल की दुकान और ज्वेलर्स की दुकान के बीच मे हो रहा है एक कामर्शियल बिल्डिंग का निर्माण तकरीबन 10 फिट बेसमेंट के साथ, जोकि मानक के विपरीत है और अवैध भी,पत्रकार जब कवरेज करने जाते हैं तो उनको मालिक के गुर्गो द्वारा डराया और धमकाया जाता है, क्या अब यही रह गया है दबंग बिल्डरों के पास पत्रकारों को धमकी भरे स्वर और उनको डराना इससे पहले भी बिल्डर द्वारा पत्रकारों को धमकाया गया और कुछ पत्रकारों के ऊपर हमला भी किया गया है लेकिन ना तो पुलिस और ना ही किसी अधिकारी ने इन दबंग बिल्डरों के ऊपर पड़ती है नजर और ना ही की जाती है कोई कार्यवाही जे ई विवेक पटेल और प्रमोद पाण्डेय इस प्रवर्तन जोन-7 के अधिकारी है क्या इन दोनो अधिकारियों ने बिल्डर से कोई सेटिंग कर रखी है या उसकी दबँगई के आगे इन लोगों की चल नहीं पा रही। दोनों अधिकारी कहाँ हैं? वे तो बिल्डर के दबंग दरबार में बौने भृत्य बनकर खड़े रहते हैं। वाह! मान गए एलडीए इस रिमोट कंट्रोल वाली सत्ता को बिल्डर बटन दबाता है, और प्राधिकरण नाचता कठपुतली की तरह!

उसमे चाहे छोटे अधिकारी हो या फिर उपाध्यक्ष, और अध्यक्ष एवं सचिव पत्रकारों की आवाज को सुनते तो है लेकिन कोई भी कार्यवाही करने असहाय नजर आते हैं अधिकारी बिल्डर की दबंगई के आगे है मौन।

लखनऊ हाई अलर्ट : रेड फोर्ट ब्लास्ट के बाद उत्तर प्रदेश में सुरक्षा सतर्कता बढ़ी

वी०बी०न्यूज/ब्यूरो रिपोर्ट आशीष तिवारी लखनऊ। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रेड फोर्ट के पास हुए भीषण कार धमाके के बाद उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क मोड में आ गई है। घटना के तुरंत बाद राज्य सरकार द्वारा उच्च स्तर का अलर्ट जारी किया गया है और संवेदनशील जिलों में तुरंत अतिरिक्त सुरक्षा मानदंड लागू किए गए हैं। राज्य सरकार ने निर्देश दिए हैं कि सभी जिलों में पैट्रोलिंग बढ़ाई जाए, वाहन चेकिंग और पहचान गिरोहों की मॉनिटरिंग तेज की जाए। विशेष रूप से अयोध्या, वाराणसी, मथुरा जैसे धार्मिक और तीर्थस्थान वाले जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल एवं

आरपीएफ/सीआरपीएफ की तैनाती की गई है पुलिस महानिदेशक ने स्पष्ट कहा है कि लखनऊ सहित राज्य भर के संवेदनशील इलाकों में 24 घंटे निगरानी एवं त्वरित प्रतिक्रिया दल सक्रिय रहेंगे। सार्वजनिक स्थलों पर प्रवेश, वाहनों की जांच, एवं संदिग्ध सामान की जांच भी नियमित रूप से होगी। मौजूद सूत्र बताते हैं कि लखनऊ में गुरुवार रात से ही कई गश्त दल तैनात कर दिए गए हैं। घटना की विस्तृत जांच के लिए दिल्ली पुलिस, ठं३ङ्गल्लं' क्ल्ल५ी२३ॅ३ङ्गल्ल औल्लू८ (एनआईए) और फॉरेंसिक टीम ने दिल्ली में तैनाती कर दी है। इस धमाके ने देश की राजधानी में सुरक्षा तंत्र की कमजोरियों को उजागर किया है और अन्य राज्यों में इसे लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। सार्वजनिक अपील भी जारी की गई है अगर कोई अनजान वाहन या संदिग्ध बैग/पर्स मिलें, तुरंत पुलिस को सूचित करें भीड़भाड़ वाले इलाकों में सावधानीपूर्वक रहें और जान-पहचान वालों के अलावा अन्य से अधिक संपर्क न करें। फेस बुक/व्हाट्सएप आदि पर खबरें फैलाते समय स्रोत की पुष्टि करें, अफवाहें फैलना पहले से अधिक खतरनाक हो सकता है।

भुगतान समेत कई मांगों को लेकर आशा बहुओं ने सीएचसी पर किया विरोध प्रदर्शन

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के काकोरी क्षेत्र में किए गए कार्य का संपूर्ण भुगतान न होने से आक्रोशित आशा बहुओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर विरोध प्रदर्शन किया। आशा बहुओं ने बताया कि बीते करीब 4 माह से यह भुगतान रुका हुआ है। इसके लिए कई बार कहा गया लेकिन भुगतान नहीं हो सका। विरोध कर रही आशा बहुओं ने बताया कि जब तक भुगतान नहीं होगा तब कलम बंद हड़ताल जारी रहंगी बीते कई माह से किए गए काम का संपूर्ण भुगतान न होने से आक्रोशित आशा बहुओं ने आशा कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के

नेतृत्व में काकोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित मैटरनिटी विंग अस्पताल के गेट पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रही आशा बहुओं ने बताया कि हम लोग रात दिन मेहनत कर काम करते हैं जो काम करते है उसी का ही पैसा मिलता है। लेकिन बीते कई माह से वह पैसा भी नहीं मिल रहा है। जिससे हम लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। आशा कल्याण समिति उत्तर प्रदेश की काकोरी विकास खंड की अध्यक्ष शांति देवी ने बताया कि यहां कुल 175 आशा बहु काम करती है जिनका भुगतान रुका हुआ है। कई बार भुगतान के लिए कहा गया लेकिन भुगतान नहीं किया गया। जिला उपाध्यक्ष कौशिलया देवी ने कहा कि अब जब तक भुगतान नहीं होगा कलम बंद हड़ताल जारी रहेगी। इस दौरान यदि कोई स्वास्थ संबंधित कार्य प्रभावित होते है तो उसकी जिम्मेदारी जिला की होगी। आशा बहुओं ने कुछ दिन पूर्व समस्याओं का एक ज्ञापन सीएचसी अधीक्षक के.डी. मिश्रा को दिया। इस सम्बन्ध में अधीक्षक के.डी. मिश्रा ने बताया कि मेरे स्तर का जो भुगतान था वो मैने कर दिया है।

बरेली परिक्षेत्र प्रदेश में नंबर 1: जन शिकायत निस्तारण में पीलीभीत टॉप, 87 थाने अव्वल!

बरेली। पुलिस उपमहानिरीक्षक, बरेली परिक्षेत्र के निर्देशन में शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समाधान प्रणाली (IGRS) के माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण में बरेली परिक्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए माह अक्टूबर 2025 में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

जारी रैंकिंग के अनुसार, बरेली परिक्षेत्र के जनपद पीलीभीत ने प्रथम, बदायूं ने 34वां, शाहजहांपुर ने 39वां तथा बरेली ने 65वां स्थान प्राप्त किया है।

परिक्षेत्र के विभिन्न जनपदों में कई थानों ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। इनमें —

जनपद बरेली के सुभाषनगर, फतेहगंज पश्चिमी, किला, शेरगढ़, सीबीगंज, विशारतगंज, शाही, बारादरी, इज्जतनगर, देवरनियां, भुता, भोजीपुरा, नवाबगंज, आंवला, भमोरा, शीशगढ़, प्रेमनगर, सिरौली, कैन्ट और फतेहगंज पूर्वी थाने शामिल हैं।

जनपद बदायूं के कुवरगांव, महिला थाना, बिनावर, जरीफनगर, अलापुर, सहसवान, फैजगंज बेहटा, इस्लामनगर, वजीरगंज, दातागंज, मुजरिया, बिसौली, उझानी,

कादरचौक, उघैती, उसैहत, मुसाझाग, हजरतपुर, कोतवाली व सिविल लाइंस थाने भी इस सूची में शामिल हैं।

जनपद पीलीभीत के महिला थाना, माधोटांडा, बरखेड़ा, करेली, कोतवाली, हजारा, सेहरामऊ उत्तरी, देवरिया कलां, घुंघचाई, न्यूरिया, पूरनपुर, गजरौला, बीसलपुर, सुनगढ़ी, अमरिया व बिलसंडा थानों का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

जनपद शाहजहांपुर के महिला थाना, रामचंद्रमिशन, सिंधौली, कोतवाली, बंडा, जलालाबाद, कलान, सेहरामऊ दक्षिणी, मदनापुर, मिजार्पुर, सदर बाजार, पुवायां, गढ़िया रंगीन, तिलहर, कटरा और खुदागंज थानों ने भी उत्कृष्ट निस्तारण कार्य किया है।

विगत माह में आईजीआरएस प्रणाली में उत्कृष्ट प्रदर्शन परिक्षेत्र कार्यालय के उपनिरीक्षक शालू, कंप्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार तथा आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

साथ ही, जिन जनपदों या थानों का प्रदर्शन अपेक्षानुसार नहीं रहा, उनके कार्यों की समीक्षा कर सुधारात्मक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली में हुए धमाके पर मड़ियांव थाना प्रभारी एक्शन में आये

(जीएनएस)।

लखनऊ। दिल्ली में हुए धमाके के बाद लखनऊ पुलिस देर रात तक सड़को पर मुस्तैद मड़ियांव थाना प्रभारी शिवानंद मिश्रा के निर्देशन चौकी इंचार्ज अजीज नगर नितिन कुमार और उप निरीक्षक पुष्पेंद्र व अन्य पुलिस टीम के द्वारा संदिग्ध वाहनो की करी जा रही चेकिंग बस और चार पहिया वाहनों को किया जा रहा चेक संदिग्दों से कड़ाई से की जा रही पूछताछ सीतापुर रोड पर मड़ियांव पुलिस का कड़ा पहरा देखने को मिला।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन कबड्डी-वॉलीबॉल में जोश, जीतने वाली टीम को प्रमाण पत्र!

पीलीभीत/बरखेड़ाः औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन कबड्डी-वॉलीबॉल में जोश, जीतने वाली टीम को प्रमाण पत्र!

- प्रधानाचार्य गुंजन गुप्ता ने किया उद्घाटन, लड़कों की दो टीमों के बीच मुकाबला; सभी छात्र-अध्यापक मौजूद .

पीलीभीत के ब्लॉक बरखेड़ा मे स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में खेल कूद की प्रतियोगिता के दूसरे दिन (मंगलबार) को संस्थान में वॉलीबॉल व कबड्डी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्रधानाचार्य गुंजन गुप्ता व अन्य अध्यापकों के समिति के द्वारा की गई खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वप्रथम दो टोलियो में लड़कों को विभाजित कर खेल का आयोजन किया गया वहीं मौजूद अन्य अध्यापकों ने जीती हुई टीम को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की

वही दूसरी ओर प्रधानाध्यापक का कहना है कि खेलों के अंत में जीती हुई टीम को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा मौके पर संस्थान के सभी छात्र-छात्राएं व अध्यापक गण मौजूद रहे

पीलीभीतः रात्रि गश्त में पुलिस ने खनन माफिया पर कार्रवाई, भड़रिया मोड़ से जेसीबी व 2 डंपर जब्त!

पीलीभीत। थाना क्षेत्र बीसलपुर में पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान अवैध खनन पर सख्ती दिखाई। भड़रिया मोड़ से आगे अमृता रोड पर एक जेसीबी और दो डंपरों को मौके पर पकड़ लिया गया। थाना प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला के निर्देशन में सब-इंस्पेक्टर हशमत अली की टीम ने यह बड़ी कार्यवाही की। जब्त वाहनों को चीनी मिल चौकी पर दाखिल कर दिया गया, जबकि राजस्व विभाग ने जेसीबी और दोनों डंपरों को सीज कर लिया। यह कार्रवाई खनन माफिया के खिलाफ लगातार चल रही मुहिम का हिस्सा है, जिससे इलाके में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की उम्मीद है।

वायु प्रदूषण के प्रबंधन पर ठोस कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अनुरोध

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए वायु प्रदूषण के प्रबंधन प्रयासों पर ठोस कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण की रोकथाम और उस पर नियंत्रण के लिए चल रहे उपायों का आकलन करने के लिए यह चौथी ऐसी समीक्षा बैठक थी। बैठक के दौरान दिल्ली सरकार के पर्यावरण, वन और वन्यजीव मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा भी उपस्थित थे।

श्री यादव ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए चल रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से फसल अवशेष प्रबंधन के लिए ज़िलावार योजना तैयार करने और पराली जलाने के मामलों की वर्ष भर निगरानी करने का अनुरोध किया। उन्होंने ज़िलाधिकारियों से फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनों को चलाने के लिए किसानों में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनकी व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने को भी कहा।

इसके अतिरिक्त, श्री यादव ने यह सुनिश्चित करने और निरंतर निगरानी बनाए रखने पर बल दिया कि नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) को खुले में जलाने के मामले बिल्कुल बर्दाश्त न किये जाएं। उन्होंने एनसीआर शहरों के नगरपालिका अधिकारियों से पुराने अपशिष्ट के प्रबंधन में खामियों को दूर करने और तेजी से इसके निपटान को सुनिश्चित करने के लिए सख्त समय-सीमा तैयार करने का अनुरोध किया।

घरेलू विवाद में आत्महत्या का प्रयास कर रहे युवक को पुलिस ने मात्र दो मिनट में पहुंचकर बचाया

(जीएनएस)।

लखनऊ। 11 नवम्बर। थाना मोहनलालगंज पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता से एक युवक की जान बच गई। ग्राम कूढ़ा निवासी गुड्डू (32) पुत्र कालिका ने घरेलू विवाद के चलते अपने कमरे में बंद होकर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना मिलने पर ग्राम कूढ़ा क्षेत्र में भ्रमणशील थाना मोहनलालगंज पुलिस टीम मात्र दो मिनट के भीतर मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़कर युवक को बचा लिया। उस समय वह लाल साड़ी के सहारे फांसी लगाने का प्रयास कर रहा था। प्रथमदृष्टया जांच

में पता चला कि युवक नशे की हालत में था और पत्नी से विवाद के बाद आवेश में आकर यह कदम उठाने जा रहा था। गुड्डू यूपीएल फैक्ट्री में चालक के पद पर कार्यरत हैं। पुलिस ने उसे थाने लाकर परामर्श (काउंसलिंग) दी, फिलहाल वह पूरी तरह स्वस्थ और स्थिर है। पुलिस टीम में आरक्षी किशन जायसवाल, आरक्षी सत्येंद्र शामिल रहे। पुलिस टीम की त्वरित और मानवीय कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है लखनऊ पुलिस — जन सुरक्षा एवं सहायता के लिए सदैव तत्पर।